

प्रेषक,

डी0 सेन्थिल पाण्डियन,  
सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,  
माध्यमिक शिक्षा उत्तराखण्ड  
देहरादून।

माध्यमिक शिक्षा अनुभाग-नवसृजित

देहरादून: दिनांक 20 मई, 2016

विषय: उत्तराखण्ड अधीनस्थ शिक्षा (प्रशिक्षित स्नातक श्रेणी) सेवा नियमावली-2014 में  
स0अ0एल0टी0 संगीत विषय की शैक्षिक अर्हता के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक कृपया अपने पत्रांक/सेवायें-2/5183/सेवा नियमावली-संशो0/2016-17 दिनांक 20 मई, 2016 का संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें, जिसके द्वारा स0अ0एल0टी0 संगीत विषय में यू0टी0ई0टी0-2/सी0टी0ई0टी0-2 की अनिवार्यता से छूट अनुमत्य किए जाने के सम्बन्ध में निम्नवत् बिन्दुओं/सुसंगत तथ्यों के दृष्टिगत स्पष्टीकरण निर्गत किए जाने का अनुरोध किया गया है:-

1. एनसीटीई की अधिसूचना दिनांक 02 अगस्त, 2011 के 5(ख) में स्पष्ट रूप से उल्लिखित है कि " इस अधिसूचना में उल्लिखित न्यूनतम योग्यता मानदण्ड भाषा, सामाजिक अध्ययन, विज्ञान आदि के मामलों में लागू होते हैं। शारीरिक शिक्षा के अध्यापकों के मामलों में शारीरिक शिक्षा अध्यापकों के लिए उल्लिखित न्यूनतम मानदण्ड लागू होंगे। कला शिक्षा, शिल्प शिक्षा, गृहविज्ञान, कार्य शिक्षा आदि के अध्यापकों के मामले में राज्य सरकारों तथा अन्य स्कूल प्रबन्धक वर्गों द्वारा निर्धारित पात्रता मानदण्ड तब तक लागू रहेंगे कि जब तक कि ऐसे अध्यापकों के सम्बन्ध में राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद न्यूनतम योग्यतायें निर्धारित नहीं कर देती "।
2. एन0सी0टी0ई0 की अधिसूचना दिनांक 02 अगस्त, 2011 में दी गई व्यवस्था के अनुसार प्रारम्भिक शिक्षा में द्विवर्षीय डिप्लोमा (चाहे जिस नाम से जाना जाता हो), बी0एड0, बी0एल0एड0 प्रशिक्षण योग्यताधारी ही टी0ई0टी0-2 की परीक्षा में सम्मिलित होने की पात्रता रखते हैं।
3. उत्तराखण्ड अधीनस्थ शिक्षा प्रशिक्षित स्नातक श्रेणी सेवा नियमावली-2014 के नियम-8(2) में शारीरिक शिक्षा, कला शिक्षा एवं गृह विज्ञान विषय को टी0टी0ई0टी0-2 से छूट अनुमत्य है, का उल्लेख है। Art Education के सम्बन्ध में NCF-2005 की Executive Summary के पृष्ठ संख्या-10 में उल्लिखित है कि :-

"Art As subject at all stages is recommended, covering all four major spheres, i.e, music, dance, visual arts and theatre."

एन0सी0एफ-2005 के अध्याय-3 पाठ्यचर्या के क्षेत्र, स्कूल की अवस्थाएँ एवं आंकलन के प्रस्तर-3.5 में कला शिक्षा के सम्बन्ध में लिखा गया है कि :- ".....कला के अन्तर्गत-संगीत, नृत्य, दृश्य कला और नाटक चारों को शामिल किया जाना चाहिए"। इसी प्रकार एन0सी0एफ-2005 के परिशिष्ट-1 (प्रत्येक अध्याय का सारांश) अध्याय-3 में कला में .....कलाओं (संगीत, नृत्य, दृश्यकलाएँ, कठपुतली कला, मिट्टी की कला, नाटक आदि के लोक तथा शास्त्रीय रूपों) और धरोहर शिल्पों को पाठ्यचर्या में समेकित घटकों के रूप में मान्यता" उल्लिखित है।

एन0सी0एफ-2005 में उक्तवत् उल्लेखानुसार संगीत भी कला शिक्षा के अन्तर्गत समाहित है।

3. उल्लेखनीय है कि उत्तराखण्ड अधीनस्थ शिक्षा (प्रशिक्षित स्नातक श्रेणी) सेवा नियमावली-2014 के नियम-27 में व्यवस्था दी गई है कि " यदि राज्य सरकार का समाधान हो जाये तो सेवा में नियुक्त व्यक्तियों की सेवा शर्तें विनियमित करने वाले किसी नियम के परिवर्तन से किसी विशेष मामले में अनुचित कठिनाई हो सकती है, तो वह इस मामले में लागू नियमावली के होते हुए भी आदेश द्वारा इस सीमा तक या ऐसी शर्तों के अधीन इस नियम की अपेक्षाओं से अभिमुक्त कर देगी या शिथिल कर देगी जो वह मामलों के सम्बन्ध में न्यायोचित तथा साम्यतापूर्वक कार्यवाही करने के लिए उचित समझे। "

4. उपरोक्त प्रस्तर-2 एवं 3 में उल्लिखित तथ्यों के दृष्टिगत शासन द्वारा सम्यक विचारोपरांत मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि उत्तराखण्ड अधीनस्थ शिक्षा (प्रशिक्षित स्नातक श्रेणी) सेवा नियमावली-2014 के नियम-27 में विहित व्यवस्था के अधीन कला शिक्षा के अंतर्गत समाहित स०अ०एल०टी० संगीत, नृत्य, दृश्य कला और नाटक विषय में यू०टी०ई०टी०-2/सी०टी०ई०टी०-2 की अनिवार्यता आवश्यक नहीं है। कृपया तदनुसार उक्त स्पष्टीकरण का अनुपालन तत्काल सुनिश्चित करें।

भवदीय

(डी० सेन्थिल पाण्डेयन)

सचिव

संख्या-365 (1)/XXIV-नवसृजित/16-32(02)/2011टी०सी० प्रथम तददिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. निजी सचिव, मा० मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड शासन।
2. निजी सचिव, मा० शिक्षा मंत्री, उत्तराखण्ड शासन।
3. महालेखाकार, (लेखा एवं लेखा परीक्षा) उत्तराखण्ड, देहरादून।
4. महानिदेशक, विद्यालयी शिक्षा, उत्तराखण्ड, देहरादून।
5. सचिव, प्राविधिक शिक्षा परिषद्, रुड़की।
6. आयुक्त, गढ़वाल/कुमायूं मण्डल।
6. समस्त जिलाधिकारी द्वारा-निदेशक, माध्यमिक शिक्षा।
7. अपर निदेशक, (माध्यमिक), गढ़वाल/कुमायूं मण्डल।
8. समस्त मुख्य शिक्षा अधिकारी, द्वारा-निदेशक, माध्यमिक शिक्षा।
9. समस्त जिला शिक्षा अधिकारी, द्वारा-निदेशक, माध्यमिक शिक्षा।
10. समस्त प्राचार्य डायट, उत्तराखण्ड, द्वारा-निदेशक, माध्यमिक शिक्षा।
11. समस्त वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड, द्वारा-निदेशक, माध्यमिक शिक्षा।
12. निदेशक, एन.आई.सी. सचिवालय परिसर, देहरादून।
13. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(वी०एस० पुण्डरी)

अनु सचिव